विषय : हिन्दी

कक्षा : बारह

समय : 3 घंटे | पूर्णांक : 70

आन्तरिक मूल्यांकन : 10

प्रश्न पत्र की रूपरेखा

प्रश्न-पत्र के तीन भाग होंगे।

(प्रथम सत्र)

भाग क (पाठ्य-पुस्तक)

प्रश्न 1 (क) हिन्दी पुस्तक-12 में संकलित 'प्राचीन काव्य' में से दो पद्यांश दिये जायेंगे जिनमें से एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखने के लिये कहा जायेगा। प्रसंग के लिए 1 अंक, व्याख्या के लिये 3 अंक और भावार्थ के लिये 1 अंक निर्धारित हैं। 5

(ख) पाठ्य-पुस्तक में संकलित 'आधुनिक काव्य' में से दो पद्यांश दिये जायेंगे। जिनमें से एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या करने के लिए कहा जाएगा। प्रसंग के लिए 1 अंक, व्याख्या के लिए 3 अंक, भावार्थ के लिये 1 अंक निर्धारित है। 5

प्रश्न 2 (क) प्राचीन काव्य की विषय वस्तु से संबंधित दो लघूत्तर प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखने के लिये कहा जायेगा। 2½

(ख) आधुनिक काव्य की विषय वस्तु से संबंधित दो लघूत्तर प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखने के लिये कहा जायेगा। 2½

प्रश्न 3 पाठ्य-पुस्तक में संकलित गद्य भाग में से दो गद्यांश दिये जायेंगे जिनमें से एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखने के लिये कहा जायेगा। प्रसंग के लिये 1 अंक, व्याख्या के लिये 3 अंक और भावार्थ के लिये एक अंक निर्धारित है। 5

प्रश्न 4 पाठ्य-पुस्तक में संकलित गद्य भाग की विषयवस्तु सें संबंधित दो निबन्धात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में लिखने के लिये कहा जाएगा। इसमें पाठ का सार, वर्णित घटना का विवेचन, चरित्र-चित्रण संबंधी प्रश्न पूछे जा सकते हैं। 6

नोट :- प्रश्न-पत्र निर्माता पाठ्य-पुस्तक में सकंलित गद्य की सभी विधाओं को पूर्ण प्रतिनिधित्व दे।

प्रश्न-5 पाठ्य-पुस्तक में संकलित निबन्ध भाग में से दो लघूत्तर प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखने के लिये कहा जायेगा। इसमें निबन्ध का शीर्षक, उद्देश्य एवं शिक्षा से संबंधित प्रश्न पूछे जा सकते हैं। 3

प्रश्न 6 पाठ्य-पुस्तक में संकलित कहानी भाग में से दो लघूत्तर प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखने के लिये कहा जायेगा। इसमें कहानी का शीर्षक, उद्देश्य एवं शिक्षा से संबंधित प्रश्न पूछे जा सकते हैं। 3

प्रश्न 7 पाठ्य-पुस्तक में संकलित एकांकी भाग में से दो लघूत्तर प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखने के लिये कहा जायेगा। इसमें एकांकी का शीर्षक, उद्देश्य, नैतिक एवं मानवीय मूल्यों से संबंधित प्रश्न पूछे जा सकते हैं। 3

प्रश्न 8 इस प्रश्न में हिन्दी साहित्य के 'रीतिकाल' की सामान्य परिस्थितियों, प्रमुख प्रवृत्तियों एवं प्रमुख कवियों से संबंधित दो निबन्धात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में लिखने के लिये कहा जायेगा। 5

प्रश्न 9 हिन्दी साहित्य के रीतिकाल में से 8 वस्तुनिष्ठ लघु प्रश्न देकर किन्हीं 5 प्रश्नों का उत्तर लिखने के लिये कहा जायेगा। 5

भाग-ख व्यावहारिक व्याकरण

प्रश्न 10 समास/ समास विग्रह से संबंधित 5 शब्द देकर किन्हीं 4 शब्दों का उत्तर लिखने के लिये कहा जायेगा। 4

प्रश्न 11 दो वाक्य देकर किसी एक वाक्य का पद परिचय लिखने के लिये कहा जायेगा। 5

प्रश्न 12 (क) कोई दो छंद देकर किसी एक छंद का लक्षण एवं उदाहरण लिखने के लिये कहा जायेगा। लक्षण के लिये 1 अंक और उदाहरण के लिये 1½ अंक निर्धारित है। 2½

(ख) कोई दो अलंकार देकर किसी एक अलंकार कर परिभाषा एवं उदाहरण लिखने के लिये कहा जायेगा। परिभाषा के लिए 1 अंक और उदाहरण के लिये 1½ अंक निर्धारित है। 2½

भाग-ग सम्प्रेषण कौशल

प्रश्न 13 लगभग 60 शब्दों का पंजाबी में गद्यांश दिया जायेगा जिसका अनुवाद हिन्दी में लिखना होगा। 5

प्रश्न 14 अंग्रेज़ी में 5 पारिभाषिक शब्द दिये जायेंगे जिनमें से किन्हीं 4 शब्दों के हिन्दी रूप लिखकर वाक्यों में प्रयोग करने के लिये कहा जायेगा। 4

प्रश्न 15 दो विषय देकर किसी एक विषय पर विज्ञापन तैयार करने के लिये कहा जायेगा। 2

पाठ्यक्रम : प्रथम सत्र

(क) हिन्दी पुस्तक -12

1. प्राचीन काव्य : पाठ -1
2. आधुनिक काव्य : पाठ -5-8
3. निबन्ध भाग : पाठ 15-16
4. कहानी भाग : पाठ 21-22
5. एकांकी भाग : पाठ 25
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल

(ख) व्यावहारिक व्याकरण

1. समास : अव्ययी-भाव, तत्पुरुष
2. पद परिचय
3. छंद : दोहा, चौपाई
4. अलंकार : अनुप्रास, यमक

(ग) सम्प्रेषण कौशल

1. पंजाबी गद्यांश का हिन्दी अनुवाद
2. पारिभाषिक शब्दावली (J से 0 तक)
3. विज्ञापन लेखन

द्वितीय सत्र

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

आन्तरिक मूल्यांकन : 20

भाग-क (पाठ्य-पुस्तक)

प्रश्न-पत्र के चार भाग होंगे।

प्रश्न 1 (क) हिन्दी पुस्तक -12 में संकलित 'प्राचीन काव्य' में से दो पद्यांश दिये जायेंगे जिनमें से एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखने के लिये कहा जायेगा। प्रसंग के लिए 1 अंक, व्याख्या के लिये 3 अंक और भावार्थ के लिये 1 अंक निर्धारित है। 5

(ख) पाठ्य-पुस्तक में संकलित 'आधुनिक काव्य' में से दो पद्यांश दिये जायेंगे जिनमें से एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखने के लिए कहा जाएगा। प्रसंग के लिए 1 अंक, व्याख्या के लिए 3 अंक और भावार्थ के लिये 1 अंक निर्धारित है। 5

प्रश्न 2 (क) प्राचीन काव्य की विषय वस्तु से संबंधित दो लघूत्तर प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखने के लिये कहा जायेगा। 2½

(ख) आधुनिक काव्य की विषय वस्तु से संबंधित दो लघूत्तर प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखने के लिये कहा जायेगा। 2½

प्रश्न 3 पाठ्य-पुस्तक में संकलित गद्य भाग में से दो गद्यांश दिये जायेंगे जिनमें एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखने के लिए कहा जायेगा। प्रसंग के लिए 1 अंक, व्याख्या के लिये 3 अंक और भावार्थ के लिये 1 अंक निर्धारित है। 5

प्रश्न 4 पाठ्य-पुस्तक में संकलित गद्य भाग की विषयवस्तु से संबंधित दो निबन्धात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में लिखने के लिये कहा जायेगा। इसमें पाठ का सार, वर्णित घटना का विवेचन, चरित्र-चित्रण संबंधी प्रश्न पूछे जा सकते हैं। 6

नोट :- प्रश्न-पत्र निर्माता पाठ्य-पुस्तक में संकलित गद्य की सभी विधाओं को पूर्ण प्रतिनिधित्व दे।

प्रश्न 5 पाठ्य-पुस्तक में संकलित निबन्ध भाग में से दो लघूत्तर प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखने के लिये कहा जायेगा। इसमें निबन्ध का शीर्षक, उद्देश्य एवं शिक्षा से संबंधित प्रश्न पूछे जा सकते हैं। 3

प्रश्न 6 पाठ्य-पुस्तक में संकलित कहानी भाग में से दो लघूत्तर प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखने के लिये कहा जायेगा। इसमें कहानी का शीर्षक, उद्देश्य एवं शिक्षा से संबंधित प्रश्न पूछे जा सकते हैं। 3

प्रश्न 7 पाठ्य-पुस्तक में संकलित एकांकी भाग में से दो लघूत्तर प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखने के लिये कहा जायेगा। इसमें एकांकी का शीर्षक, उद्देश्य, नैतिक एवं मानवीय मूल्यों से संबंधित प्रश्न पूछे जा सकते हैं। 3

प्रश्न 8 इस प्रश्न में हिन्दी साहित्य के 'आधुनिक काल' की परिस्थितियों , प्रमुख प्रवृत्तियों एवं प्रमुख कवियों सें संबंधित तीन निबन्धात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से दो प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में लिखने के लिये कहा जायेगा। 6+6=12

प्रश्न 9 हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल में से 12 वस्तुनिष्ठ लघु प्रश्न देकर किन्हीं 8 प्रश्नों का उत्तर लिखने के लिये कहा जायेगा। 8

भाग-ख रचनात्मक लेखन

प्रश्न 10 यह प्रश्न निबन्ध रचना से संबंधित होगा। कोई चार विषय देकर उनमें से एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखने के लिये कहा जायेगा। भूमिका 3 अंक, विषय वस्तु 9 अंक और उपसंहार के लिये 3 अंक निर्धारित हैं। 3+9+3=15

भाग-ग व्यावहारिक व्याकरण

प्रश्न 11 समास/विग्रह से संबंधित 8 शब्द देकर किन्हीं 5 शब्दों का उत्तर लिखने के लिये कहा जायेगा। 5

प्रश्न 12 दो वाक्य देकर किसी एक वाक्य का पद परिचय लिखने के लिये कहा जायेगा। 5

प्रश्न 13 (क) कोई दो छंद देकर किसी एक छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखने के लिये कहा जायेगा। लक्षण के लिये 1 अंक और उदाहरण के लिये 1½ अंक निर्धारित है। 2½

(ख) कोई दो अलंकार देकर किसी एक अलंकार की परिभाषा एवं उदाहरण लिखने के लिये कहा जायेगा। परिभाषा के लिये 1 अंक और उदाहरण के लिए 1½ अंक निर्धारित है। 2½

भाग-घ - सम्प्रेषण कौशल

प्रश्न 14 लगभग 60 शब्दों का पंजाबी में गद्यांश दिया जायेगा जिसका अनुवाद हिन्दी में लिखना होगा। 5

प्रश्न 15 अंग्रेज़ी में 8 पारिभाषिक शब्द दिये जायेंगे जिनमें से किन्हीं 5 शब्दों के हिन्दी रूप लिखकर वाक्यों में प्रयोग करने के लिये कहा जायेगा। 5

प्रश्न 16 दो विषय देकर किसी एक विषय पर सूचना तैयार करने के लिये कहा जायेगा। 5

पाठ्यक्रम : द्वितीय सत्र

(क) हिन्दी पुस्तक -12

1. प्राचीन काव्य : पाठ 2-4
2. आधुनिक काव्य : पाठ 9 -14
3. निबन्ध भाग : पाठ 17-20
4. कहानी भाग : पाठ 23-24
5. एकांकी भाग : पाठ 26
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल

(ख) रचनात्मक लेखन : निबन्ध लेखन

(ग) व्यावहारिक व्याकरण :

1. समास : बहुब्रीहि, द्वंद्व
2. पद परिचय
3. छंद : सवैया, कवित्त, सोरठा
4. अलंकार : उपमा, रूपक, श्लेष

(घ) सम्प्रेषण कौशल

1. पंजाबी गद्यांश का हिन्दी अनुवाद
2. पारिभाषिक शब्दावली (P से Z तक)
3. सूचना लेखन

पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा निर्धारित पाठ्य-पुस्तकें :-

1. हिन्दी पुस्तक -12
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास 11-12
3. हिन्दी भाषा बोध और व्याकरण 11-12

बारहवीं श्रेणी

संस्कृत

प्रथम सत्र

समय : 3 घण्टे | कुल अंक : 70

आन्तरिक मूल्यांकन : 10

प्रश्न–पत्र की रूपरेखा

नोट : पहले तीन प्रश्नों का उत्तर हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में दिया जा सकता है।

1. तीन गद्यांश दिए जाएं जिनमें से दो का अनुवाद करने को कहा जाए। 2×5=10
2. दो पद्य दिए जाएं जिनमें से एक का अर्थ लिखने को कहा जाए। 5
3. दो पद्य दिए जाएं जिनमें से एक का प्रसंग सहित भावार्थ लिखने को कहा जाए। प्रसंग के दो अंक तथा भावार्थ के 6 अंक निश्चित हैं। 2+6=8
4. पाठों के अभ्यासों में से छ: प्रश्न हिन्दी में पूछे जाएं , जिनमें से चार का उत्तर हिन्दी में लिखने को कहा जाए। 4×2=8
5. संस्कृत के पांच लघु प्रश्न दिए जाएं। जिनमें से तीन का उत्तर लिखने को कहा जाए। 3×2=6
6. पाठों में दिए गए शब्दार्थ में से आठ संस्कृत शब्द दिए जाएं जिनमें से 6 शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करने को कहा जाए। 6
7. यथानिर्दिष्ट परिवर्तन के छ: वाक्य दिए जाएं जिनमें से पांच वाक्यों में परिवर्तन करने को कहा जाए। 5
8. पाठ्यक्रम में दिये गये शब्द रूपों में से आठ शब्दों के रूप किसी एक विभक्ति के तीनों वचनों में पूछे जायें जिनमें से केवल छ: शब्दों के रूप लिखने हों। 6×1½ =9
9. पाठ्यक्रम में दिये गये धातु रूपों में से आठ धातुओं के रूप किसी एक लकार के एक पुरुष के तीनों वचनों में पूछे जायें जिनमें से छ: धातुओं के रूप लिखने हों। 6×1½ =9
10. कारक सम्बन्धी अशुद्धि वाले 6 वाक्य दिये जायें जिनमें से चार वाक्यों को शुद्ध करने को कहा जाये। 4

पाठ्यक्रम : प्रथम सत्र

समय : 3 घण्टे | कुल अंक : 70

आन्तरिक मूल्यांकन : 10

भाग-क (पाठ्य पुस्तक के 1 से 7 तक पाठ)

1. गद्यांशों का हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में अनुवाद।
2. पद्य का हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में अर्थ।
3. पद्य का हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में प्रसंग सहित भावार्थ।
4. पाठों के अभ्यासों में से हिन्दी में प्रश्नोत्तर।
5. पाठों के अभ्यासों में से संस्कृत में लघु प्रश्नोत्तर।
6. संस्कृत शब्दों का वाक्यों में प्रयोग।
7. यथानिर्दिष्ट परिवर्तन।

भाग-ख (व्याकरण भाग)

8 (क) शब्द रूप : (पु.) गो, पितृ, राजन्, चन्द्रमस्

(नपुं.) मित्र, अक्षि, पयस्

(स्त्री.) बाला, स्त्री, वधू

(ख) धातु रूप : (लट्, लोट्, लङ्., विधिलिङ्., लृट्)

भ्वादिगण : (प.) भू, व्रज्, खाद्, घ्रा

अदादिगण : (पं.) अस्, हन्

चुरादिगण : (पं.) दण्ड्

तनादिगण :(पं.) कृ

क्रयादिगण : (पं.) ज्ञा, ग्रह्

(ग) कारक : अशुद्ध-शुद्ध वाक्यों पर आधारित

द्वितीय सत्र

कुल अंक : 100

प्रश्न–पत्र की रूपरेखा | आन्तरिक मूल्यांकन : 20

नोट : पहले तीन प्रश्नों का उत्तर हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में दिया जा सकता है।

1. तीन गद्यांश दिए जाएं जिनमें से दो का अनुवाद करने को कहा जाए। $2\times5=10$
2. दो पद्य दिए जाएं जिनमें से एक का अर्थ लिखने को कहा जाए। 5
3. दो पद्य दिए जाएं जिनमें से एक का प्रसंग सहित भावार्थ लिखने को कहा जाए। प्रसंग के दो अंक तथा भावार्थ के 6 अंक निश्चित हैं। 2+6=8
4. पाठों के अभ्यासों में से छः प्रश्न हिन्दी में पूछे जाएं, जिनमें से चार का उत्तर हिन्दी में लिखने को कहा जाए। $4\times2=8$
5. संस्कृत के पांच लघु प्रश्न दिए जाएं। जिनमें से तीन का उत्तर लिखने को कहा जाए। $3\times2=6$
6. छः लेखकों/कवियों के साहित्यिक परिचय से संबंधित प्रश्न पूछे जाएं जिनमें से पाँच का उत्तर लिखने को कहा जाए। 5
7. पाठों में दिए गए शब्दार्थ में से छः संस्कृत शब्द दिए जाएं। जिनमें से पांच शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करने को कहा जाए। 5
8. यथानिर्दिष्ट परिवर्तन के छः वाक्य दिए जाएं जिनमें से पांच वाक्यों में परिवर्तन करने को कहा जाए। 5
9. 20 व्यावहारिक संस्कृत शब्द दिए जाएं जिनमें से 10 शब्दों का हिन्दी में अनुवाद करने को कहा जाए। 10
10. पाठ्यक्रम में दिए गए धातुओं के साथ प्रत्यय लगाने के लिए 8 धातुएं तथा प्रत्यय दिए जाएं जिनमें से छः करने को कहा जाए। 6
11. पाठ्यक्रम में दिए गए समासों के संबंधित 8 समस्त पद दिए जाएं जिनमें से 6 का विग्रह और नाम बताने को कहा जाए। 6
12. पाठ्यक्रम में दिए भेद रहित अलंकारों से संबंधित चार प्रश्न दिए जाएं जिनमें से दो शब्दालंकार तथा दो अर्थालंकार हों तो उचित है। चार अलंकारों में से केवल दो की परिभाषा तथा उदाहरण लिखने अपेक्षित हों। परिभाषा का एक अंक तथा उदाहरण के 2 अंक निश्चित हैं।

    अथवा

    पाठ्यक्रम में निश्चित छंदों से संबंधित चार प्रश्न दिए जाएं जिनमें से दो मात्रिक तथा दो वर्णिक छंद हों तो उचित है। चार छंदों में से केवल दो की परिभाषा तथा उदाहरण लिखने अपेक्षित हों। परिभाषा का एक अंक तथा उदाहरण के 2 अंक निश्चित हैं। $2\times3=6$
13. पाठ्यक्रम में निश्चित तीन निबंध देकर किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में निबंध लिखने को कहा जाए। 10
14. 15 हिन्दी वाक्य दिए जाएं जिनमें से दस वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करने को कहा जाए। 10

पाठ्यक्रम -द्वितीय सत्र

कुल अंक 100

आन्तरिक मूल्यांकन : 20

भाग-क (पाठ्य पुस्तक के 8 से 19 पाठ तक)

1. गद्यांशों का हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में अनुवाद।
2. पद्य का हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में अर्थ।
3. पद्य का हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में प्रसंग सहित भावार्थ।
4. पाठों के अभ्यासों में से हिन्दी में प्रश्नोत्तर।
5. पाठों के अभ्यासों में से संस्कृत में लघु प्रश्नोत्तर।
6. प्राचीन लेखकों/कवियों का साहित्यिक परिचय।
7. संस्कृत शब्दों का वाक्यों में प्रयोग।
8. यथानिर्दिष्ट परिवर्तन।
9. व्यावहारिक संस्कृत शब्दों का हिन्दी में अनुवाद।

भाग-ख (व्याकरण भाग)

10. (क) प्रत्ययः कृदन्त प्रत्यय-तव्यत्, अनीयर्, यत्, ल्युट्, तुमुन्।

(ख) समास : तत्पुरुष (विभक्तिक) नञ्, अलुक्

(ग) अलंकार और छंद :-

1. (क) शब्दालंकार - अनुप्रास, यमक

   (ख) अर्थालंकार- रूपक, उत्प्रेक्षा, उपमा, अर्थान्तरन्यास

2. छंद : अनुष्टुप, वंशस्थ, मालिनी, शिखरिणी, पंचचामरम्, वसन्ततिलका।

11. निबन्ध : नीचे लिखे विषयों पर संस्कृत में सरल वर्णनात्मक निबन्ध (लगभग 100 शब्दों में)

    आदर्श -छात्र :, मम प्रिय- पुस्तकम्, कश्चिद्, उत्सवः, कश्चिद् महापुरुषः, समाचार पत्राणाम् लाभाः, सत्संगति, परोपकारः।

12. हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद।

निर्धारित पुस्तक : संस्कृत सौरभम्-12, पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित।